भजन

जो रंगा पिया के रंग में,हर पल रहे पिया संग में

1– पिया के रंग में वो ही रंगेगी,जो पिया के तन हैं
उसको पिया जी वोही देते,जैसे जिसका मन है
बिन मांगे ही सबकुछ मिलता,रहे पिया के चरणन में

2–मेरी रूह है पिया जी मेरे,रूह के हैं जो नैन
पिया ही हैं मेरी रूह की पुतली,पुतलीयों के जो नैन
उन नैनों में राखूं पिया जी को,रहे सदा नैनन में

3–निसवत के सुख निसवत लेती,निसवत पिया के दिल से
न जुदा होती कभी भी,पिया से रहे हिल मिल के
वाहेदत की है यहीं हकीकत,इश्क सदा तन मन में

4–अर्श दिल में अर्श खिलवत,आनंद है हर तन में
इश्क आनंद के बिना,कुछ न रहे उस मन में
रहती रूहें मग्न सदा ही,अपने पिया के रंग में